मंथन समूह सफलता की कहानी...

MGSSS

---प्रेरणादायक किसानों की सफल गाथाएं---

भाकृअनुप ICAR

किसान अमर सिंह रैकवार जी द्वारा हार्टीकल्चर विभाग के माध्यम से हाईब्रिड पौधे लगाने का प्रशिक्षण दिला कर सराहनीय कार्य किया गया

किसान श्री अमर सिंह रैकवार द्वारा हार्टीकल्चर विभाग के माध्यम से 27 नवम्बर को लगभग 6 किसानों को आम, अमरूद, सीताफल, आँवला, चीकू के हाईब्रिड प्लांट लगाने के लिए शासन की योजना के अनुसार एवं पूर्ण रूप से रख रखाव एवं तकनीक के द्वारा जैविक एवं तकनीक से पौधे लगाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में हार्टीकल्चर विभाग से आए प्रशिक्षकों ने द्वारा बताया गया कि कैसे पौधों की लाईन से लाईन का फासला 15 फीट रखा जाना चाहिए। प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षित किसानों को शासन की योजना का लाभ भी मिलेगा। एवं भविष्य में किसान अपने उत्पाद भी प्रोसेसिंग के माध्यम से तैयार करेंगे। श्री रैकवार जी द्वारा किसानों को खेत पर समझाइश भी दी गई तथा हार्टीकल्चर विभाग के द्वारा भी जानकारी दी गई।

श्री रैकवार जी जिले के ऐसे कृषक हैं जो अपने खेत में पौधों की अच्छी तरह देखभाल करते हैं और उससे मुनाफा कमाते है साथ ही अन्य कृषकों को लाभान्वित करने के लिए किसान भाईयों को नि:शुल्क जानकारी भी देते हैं। सबका साथ सबका विकास की नीति के साथ एवं सब का विकास के नारे को लेकर सभी कृषकों के साथ लेकर कई प्रकार की जैविक तकनीक के द्वारा कृषकों लाभान्वित कराकर सराहनीय कार्य किया है। क्षेत्र अधिकारी श्री राजेश वर्मा ने श्री रैकवार जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया कि श्री रैकवार ने जिले में बायोटेक के माध्यम से किसानों के उत्पाद को बढ़ाने के लिए बायोटेक के माध्यम से सराहनीय कार्य किया है।

रोजगार

मंथन पॉलीटेक्निक कॉलेज

इंदौर-भोपाल हाईवे पुलिस चौकी के पास अमलाहा सीहोर, (म.प्र.)

(एआईसीटीई, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित)

पॉलिटेक्निक (डिप्लोमा इंजीनियरिंग)	-: विशेषताएं :-
इलेक्ट्रिकल (इंजी.) (E.E.)	■ शत् प्रतिशत रोजगार के सुनहरे अवसर।
सिविल (इंजी.) (C.E.)	■ सुव्यवस्थित वर्कशॉप तथा आधुनिक मशीनों पर कार्य करने का अवसर।
मैकेनिकल (इंजी.) (M.E.)	■ उत्तम गुणवत्ता का प्रशिक्षण।
कंप्यूटर साइंस (इंजी.) (C.S.E.)	■ छात्रों को भविष्य निर्धारित करने का मौका।
इलेक्ट्रॉनिक एवं टेली कम्यूनिकेशन (इंजी.) (E.C.E.)	■ न्यूनतम शुल्क पर छात्रावास की सुविधा।

न्यूनतम योग्यता: 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण

छात्रवृत्ति
- अल्पसंख्यक/अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं की सुविधा।
- अल्पसंख्यक वर्ग की छात्रवृत्ति के लिए 10वीं/12वीं में 50 प्रतिशत अंक आवश्यक।

प्रदेश की एकमात्र संस्था जो प्रशिक्षण के उपरांत 100% रोजगार प्रदान करती है

अपना उज्जवल भविष्य निर्धारण करने के लिए सम्पर्क करें: मंथन पॉलीटेक्निक कॉलेज-मो.623200930

मंथन के अधिकारियों द्वारा फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी मिलने से किसान भरत बलराम ने लागत से अधिक लिया मुनाफा

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के अन्तर्गत ब्लॉक निवाली ग्राम भांगीडाड के रहने वाले प्रगतिशील किसान श्री रमेश भाईसिंग मुख्य रूप से तिलहन और दलहन की खेती करते हैं। इन्होंने इस बार अपने खेत में ज्वार की फसल लगाई है।

किसान रमेश भाईसिंग जी अपने पूर्वजों की पुरानी पद्धति से खेती करते आ रहे थे। उनकों कीट तथा रोगों की जानकारी का अभाव था। पूरी मेहनत और समय खपाने, पानी खाद का प्रयोग करने के बाद भी अच्छी फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा था। तभी उन्हें मंथन समाज सेवा समिति के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। बड़वानी जिले में बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करते हैं। प्राप्त जानकारी से प्रेरित होकर उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी व मंथन समाज सेवा समिति के क्षेत्राधिकारी भुलीराम जी से मुलाकात कर सहायता का अनुरोध किया। समिति द्वारा उन्हें ज्वार के उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खेत तैयार करने, मशीनीकृत बुवाई करने व सही मात्रा में खाद, दवाईयां तथा बीजोपचार कर बुवाई करने और खरपतवार नाशक दवाईयों का उपयोग करवाया गया। बायोटेक हब प्रोजेक्ट के तहत समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह दी गई। जिसका सही विधि द्वारा उपयोग करवाया गया।

रमेश भाईसिंग जी ने फसल का प्रबंधन बहुत अच्छा किया। इस बार तकनीकी रूप से ज्वार की खेती की। रमेश भाईसिंग जी की श्रम साध्य हुआ। नई तकनीक का उपयोग करके किसान ने लागत से अधिक कपास का भरपूर उत्पादन लिया। संस्था द्वारा बड़वानी जिले के अन्य किसानों को भी खेत में लगातार सुधार व कम लागत में अधिक मुनाफा की खेती करवाई गई। किसान रमेश जी द्वारा भी ग्राम के अन्य किसानों को भी तकनीकी रूप से कपास तथा अन्य फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करवाया।

कृषक रमेश भाईसिंग जी ने मंथन ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति का आभार व्यक्त किया। कृषक रमेश भाईसिंग जी ने बताया कि इस सफलता का मुख्य कारण मंथन के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर खेत में आकर फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी देना एवं वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर फसल से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। मुझे अपनी इस सफलता पर खुशी है तथा इसका श्रेय मैं मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति तथा डी.बी.टी. द्वारा कृषकों के हित में लिए गए निर्णयों को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। रमेश भाईसिंग जी ने बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट के अधिकारी तथा अन्य सभी का धन्यवाद किया। किसान ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार से बायोटेक हब के माध्यम से कृषकों के साथ मिलकर ऐसे प्रोग्राम साझा किए जाते रहे तो सभी किसान भाई नई ऊंचाईयों को निश्चित रूप से छूने में सफल होंगे।